का विचार है और प्रत्येक पर कितनी लागत आयेगी ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) अब तक गठित राज्य-वार केन्द्रीय औद्योगिक परियोजनाओं की सूची वाला विवरण, श्री हरदयाल देवगुण के केन्द्रीय औद्योगिक परियोजनाओं से संबंधित तारांकित प्रश्न संख्या 61 के उत्तर में 13 नवम्बर, 1968 को ही सभा पटल पर रख दिया गया था। इसमें योजना की 1951 से 1968 की अवधि में इन पर हुए विनियोजनों तथा इनकी पूर्ति के लिए आवश्यक विनियोजन को भी दर्शाया गया हैं।

(ख) चतुर्थ पंचवर्षिय योजना की अवधि में स्थापित की जाने वाली केन्द्रीय औद्योगिक परियोजनाओं की सूची योजना आयोग द्वारा प्रकाशित/तैयार की गई "ड्राफ्ट फोर्थ फाइव इयर प्लान रिपोर्ट" के पृष्ठ 253 से 260 में दी गई है। इसमें चतुर्थ योजना की अवधि में इन परियोजनाओं पर लगाई जाने वाली पूंजी भी दिखाई गई है।

गोहाद रोड, सोनी और भिंड स्टेशनों (मध्य रेलवे) के लिए गोदाम

228. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मध्य रेलवे की ग्वालियर-भिंड छोटी लाइन के गोहाद रोड, सोनी और भिंड रेलवे स्टेशनों में गोदामों की समुचित व्यवस्था नहीं है;

(ख) क्या यह भी सच है कि गोहाद रोड और नौनेरा रेलवे स्टेशनों पर जो इस लाइन के मुख्य स्टेशन हैं, यात्रियों के लिए कोई शैड नहीं बनाया गया, जिसके नीचे यात्री सर्दी, धूप और बरसात में आश्रय ले सकें; और

(ग) सरकार इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही कर रही है ?

रेलवे मंत्री (श्री नन्दा) : (क) भिंड रेलवे स्टेशन पर माल रखने के लिए 108 फुट लम्बे 16 फुट चौड़े एक छतदार गोदाम और पार्सल रखने के लिए 10 फुट लम्बे 10 फुट चौड़े एक छतदार स्थान की पहले ही व्यवस्था की जा चुकी है। गोहाद रोड और सोनी रेलवे स्टेशनों पर कोई माल गोदाम नहीं बनाये गये।

(ख) गोहाद रोड स्टेशन पर तीसरे दर्जे का एक 20 फुट लम्बा 16 फुट चौड़ा प्रतीक्षालय और नौनेरा रेलवे स्टेशन पर 13 फुट लम्बा 13 फुट चौड़ा एक प्रतीक्षालय पहले से ही मौजूद है।

(ग) सोनी रेलवे स्टेशन पर तो माल गोदाम बनाने का कोई औचित्य नहीं है लेकिन जब और जैसे ही धन उपलब्ध होगा अगले वर्षों के निर्माण कार्यक्रम में गोहाद रोड स्टेशन पर माल गोदाम की व्यवस्था कर दी जायेगी।

भिंड स्टेशन (मध्य रेलवे) पर रेलवे के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के क्वार्टरों में बिजली की व्यवस्था

229. श्री यशवन्त सिंह कुशवाह : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य रेलवे की ग्वालियर-भिंड सकरी लाइन भिंड नगर रेलवे अधिकारियों तथा कर्मचारियों के क्वार्टरों में बिजली की व्यवस्था की गई है; और

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री नन्दा) : (क) जी नहीं।

(ख) धन की कमी के कारण अभी तक

इन क्वार्टरों में बिजली की व्यवस्था करना सम्भव नहीं हो पाया है ।

Collision of Nautanwa-Gorakhpur Passenger Train with a Goods Train at Gorakhpur Station

230. SHRI GANESH GHOSH :
SHRI JYOTIRMOY BASU :
SHRI S. M. BANERJEE :
SHRI HIMAT SINGHKA :
SHRI B. K. MODAK :
SHRI N. K. SANGHI :
SHRI K. P. SINGH DEO :
SHRI VISHWA NATH PANDEY:
SHRI JANESHWAR MISRA :
SHRI CHANDRIKA PRASAD :
SHRI ARJUN SINGH BHADORIA :
SHRI VAMIKI CHAUDHARY :
SHRI E. K. NAYANAR :
SHRI SATYA NARAIN SINGH :
SHRI C.C. DESAI :
SHRI D.N. DEB :
SHRI PILOO MODY :
SHRI J. MOHAMED IMAM :
SHRI SITARAM KESARI :
SHRI RAM SEWAK YADAV :
SHRI P. RAMAMURTI :

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether some people were killed and many others injured, some of them seriously, when the Nautanwa-Gorakhpur passenger train on the North Eastern Railway, rammed into a shunting Goods load train in front of the West cabin of the Gorakhpur Railway station on the 17th January, 1970 at 8.20 A. M. ;

(b) whether this accident took place despite the fact that the Gorakhpur station is equipped with the modern automatic signalling system;

(c) if so, the full details of this accident including background and number of casualties; and

(d) whether any investigation has been conducted in the matter and if so, the result thereof ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NANDA) : (a) and (c). On 17.1.70 at about 8.12 hours while shunting was being performed from Coods marshalling yard across passenger lines towards Gonda end at Gorakhpur station of the North Eastern Railway, 196 Down Nautanwa-Gorakhpur Passenger train entered the yard and collided with the shunting load. As a result of this accident, 7 persons were killed and another 29 injured of whom 17 sustained grievous injuries.

(b) Gorakhpur station is not equipped with automatic signalling. This station is interlocked to Standard III and is provided with multiple-aspect colour light signals and colour and position light shunt signals. The passenger lines are completely track circuited and goods lines are track circuited from points and crossings upto fouling marks.

(d) According to the provisional finding of the Additional Commissioner of Railway Safety, Lucknow, who held a statutory inquiry into this accident, the accident was due to the failure of the railway staff.

Impact of Increase in Price of Steel

231. SHRI GANESH GHOSH :
SHRI JYOTIRMOY BASU :
SHRI B. K. MODAK :
SHRI SRADHAKAR SUPAKAR :

Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) the price of steel per tonne in India before allowing the new increase of Rs. 77.50 per tonne;

(b) the price per tonne after the new increase;

(c) how does our current steel price per tonne compare with the price per tonne in Japan, U.S A., West Germany, U.K. and Soviet Russia;

(d) the average price per tonne of steel imported during the last three years;

(e) whether the latest price increase means that the tax payers will have to bear